राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 310 | जौनपुर | सोमवार, 30 जून 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में मची भगदड़, 3 की मौके पर मौत

पुरी, (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में रविवार सुबह भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान भगदड़ की स्थिति बन गई। इस हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि दस से अधिक लोग घायल हो गए। घटना श्रीगुंडिचा मंदिर के सामने, शरधाबली क्षेत्र में उस समय हुई जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु रथ पर विराजमान भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए एकत्र हुए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह लगभग 4:30 बजे दर्शन के दौरान भारी भीड़ जमा हो गई। भीड़ को नियंत्रित करना मुश्किल हो गया और धक्का–मुक्की शुरू हो गई। इसी दौरान कुछ लोग नीचे गिर गए और भगदड़ मच गई। हादसे में मरने वालों की पहचान खुर्दा जिले की प्रभाती दास, बसंती साहू और 70 वर्षीय प्रेमाकंत महांती के रूप में हुई है। सभी की मौत मौके पर ही हो गई। घायल श्रद्धालुओं को तत्काल 108 एम्बुलेंस की मदद से पुरी जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुरी की रथ यात्रा देश की प्रमुख धार्मिक यात्राओं में से एक है, जिसमें हर वर्ष लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस यात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को श्रीमंदिर से बाहर निकालकर श्रीगुंडिचा मंदिर तक रथों में ले जाया जाता है। इसी दौरान यह हादसा हुआ।प्रशासन ने घटना की पुष्टि की है और मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं।

आसाराम और राम रहीम साधु-संत नहीं : कैलाशानंद गिरी

रायपुर, (एजेंसी)। निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामं डलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने कहा है कि जबरन धर्म परिवर्तन अपराध है। इसके खिलाफ सरकारों को सख्त कदम उठाने चाहिए। रायपुर में मीडिया से बात करते हुए कैलाशानंद गिरी कहा कि छत्तीसगढ़ धार्मिक स्थान है। यहां मेरा आना–जाना लगा रहता है। मैं हमेशा यहां आना चाहता हूं ताकि सनातन धर्म का प्रचार–प्रसार होता रहे। छत्तीसगढ़ में बढ़ रहे धर्मांतरण पर उन्होंने कहा कि सनातन धर्म दुनिया का सबसे पुराना धर्म है। विषम से विषम परिस्थिति में भी किसी को सनातन धर्म नहीं छोड़ना चाहिए। जबरन धर्म का परिवर्तन करवाना या फिर करना अधर्म है। सरकार को इस विषय पर कदम उठाना चाहिए। साधु–संत भी लगातार ध र्मांतरण को रोकने के लिए लगातार प्रयास रहे हैं। कैलाशानंद गिरी ने कहा कि हमें परमात्मा ने धर्म का संदेश घर–घर पहुंचाने के लिए ही भेजा है। इस बार प्रयागराज में हुए महाकुंभ में लगभग 67 करोड़ लोग स्नान के लिए आए। उसमें सभी नहीं लेकिन अधिकतर हिंदु थे। सभी ने सनातन धर्म को समझने का प्रयास किया। हाल में उत्तर प्रदेश में कथावाचक को उसकी जाति की वजह से अपमान झेलना पड़ा। इस पर कैलाशानंद गिरी ने कहा कि हमें जाति से ऊपर उठकर धर्म की बात करनी चाहिए।

दुनिया में बढ़ रही है योग की भव्यता: पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने आज श्मन की बात्त्य के 122वें एपिसोड के तहत देश को संबोधित किया। एपिसोड की शुरुआत में उन्होंने योग दिवस के बारे में बात की। उन्होंने कहा– 21 जून को देश दुनिया के करोड़ों लोगों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में हिस्सा लिया। योग की भव्यता बढ़ती जा रही, लोग दैनिक जीवन में इसे अपना रहे। पीएम ने कहा, इमरजेंसी के दौर में लोगों को प्रताड़ित किया गया। अनेक लोगों को कठोर यातनाएं दी गई। मीसा के तहत किसी को भी ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया जाता था, उन पर ऐसे ही अमानवीय अत्याचार किए गए। आखिर में जनता की जीत हुई और आपातकाल हटा लिया गया। जनता की जीत हुई और आपातकाल लगाने वालों की हार हुई। पीएम ने कहा, हमने इस बार योग दिवस की कितनी ही आकर्षक तस्वीरें देखीं। विशाखापत्तनम में 3 लाख लोगों ने एक साथ योग किया। हमारे नौसेना के जहाजों पर भी योग दिवस की झलक दिखी। दिल्ली के लोगों ने स्वच्छ के संकल्प से जोड़ा। जम्मू में लोगों ने दुनिया के सबसे ऊंचे ब्रिज पर योग किया। पीएम ने बताया कि वडनगर में 2100 लोगों ने एक साथ भुजंगासन करके रिकॉर्ड बना दिया। इस बार की थीम भी काफी अलग थी। इस बार के योग दिवस की भव्यता लोगों को योग अपनाने को प्रेरित करेगी। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, मैं आपको दो ऐसी उपलब्धियों के बारे में बताना चाहता हूं जो आपको गर्व से भर देंगी। पहली उपलब्धि स्वास्थ्य से

जुड़ी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को ट्रेकोमा मुक्त घोषित कर दिया है। यह सफलता हमारे स्वास्थ्य कर्मियों की है। आज जब हर घर नल से जल पहुंच रहा है तो ऐसी बीमारियों का खतरा कम हुआ है। पीएम ने कहा, अभी इंटरनेशनल लेबल ऑर्गनाइजेशन की रिपोर्ट आई है। इसमें सामने आया है कि देश के 95 करोड़ लोग किसी न किसी सरकारी योजना का लाभ उठा रहे हैं। इन सफलताओं ने एक विश्वास दिलाया है कि आने वाले समय में भारत और सशक्त होगा। साथियों, जनभागीदारी से देश और आगे बढ़ रहा है। कैलाश मानसरोवर यात्रा का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा, धार्मिक यात्राएं सेवा के अवसर का महाअनुष्ठान होती है। जितने लोग यात्रा में जाते हैं उससे ज्यादा लोग उनकी सेवा में जुट जाते हैं। लंबे समय के बाद कैलाश मानसरोवर की यात्रा शुरू हुई है। हिंदू, बौद्ध, जैन सभा परंपरा में कैलाश को श्रद्धा का केंद्र माना गया है। जब कोई तीर्थयात्रा पर निकलता है, तो एक ही भाव सबसे पहले मन में आता है, चलो, बुलावा आया है। यही भाव हमारे धार्मिक यात्राओं की आत्मा है। ये यात्राएं शरीर के अनुशासन का, मन की शुद्धि का, आपसी प्रेम और भाईचारे का, प्रभु से जुड़ने का माध्यम है।

भाजपा के झुग्गी तोड़ो अभियान पर अरविंद केजरीवाल ने साधा निशाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जंतर–मंतर से भाजपा के खिलाफ हुंकार भरते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, चुनाव से पहले

मैंने एक वीडियो जारी किया था, जिसमें कहा था कि आप उन्हें (भाजपा को) भूलकर भी वोट न दें, क्योंकि उनकी नजर आपकी जमीन पर है। केजरीवाल ने आगे कहा, मैंने कहा था कि वो एक साल में तोड देंगे, लेकिन किसे पता था कि ये तो 5 महीने में ही आपके घर तोडकर पूरी दिल्ली का सत्यानाश कर दें गे। राष्ट्रीय राजधानी में झुग्गी–झोपडियों के खिलाफ चल रहे अभियान को लेकर दिल्ली की राजनीति गरमा गई है। दिल्ली सरकार के इस एक्शन के विरोध में रविवार को आम आदमी पार्टी ने जंतर–मंतर पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज और संजय सिंह सहित आप के कई बडे नेता शामिल हुए और भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। जंतर–मंतर से भाजपा के खिलाफ हुंकार भरते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, श्चुनाव से पहले मैंने एक वीडियो जारी किया था, जिसमें कहा था कि आप उन्हें (भाजपा को) भूलकर भी वोट न दें, क्योंकि उनकी नजर आपकी जमीन पर है। अगर आप उन्हें वोट देंगे तो वो एक साल के अंदर आपकी झुग्गी–झोपडियां तोड देंगे।श केजरीवाल ने आगे कहा, मैंने कहा था कि वो एक साल में तोड देंगे, लेकिन किसे पता था कि ये तो 5 महीने में ही आपके घर तोडकर पूरी दिल्ली का सत्यानाश कर दें गे। उन्होंने गरीबों की दुर्दशा पर जोर देते हुए कहा, श्गरीब आदमी अपनी झुग्गी के पास काम करता है. .. अगर झुग्गी टूटती है तो उसकी रोजी–रोटी भी बर्बाद हो जाती है... उन्होंने गरीबों को मरने के लिए छोड दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जहां झुग्गी, वहां मकानश गारंटी पर निशाना साधते हुए ।

सिलाई बैंड क्षेत्र में भूस्खलन की खबर से आहत, अधिकारियों के निरंतर संपर्क में हूं : सीएम धामी

देहरादून, (एजेंसी)। उत्तरकाशी के बड़कोट तहसील में रविवार सुबह बादल फटा है। इस तबाही के कारण कई श्रमिक लापता हो गए हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद एसडीआरएफ और पुलिस की टीमें बचाव एवं राहत कार्य में जुटी हुई हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे पर दुख जताया और उन्होंने सभी लोगों के कुशल होने की कामना की। सीएम धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जनपद उत्तरकाशी की बड़कोट तहसील के सिलाई बैंड क्षेत्र में हुए भूस्खलन की दुरूखद घटना में कुछ श्रमिकों के लापता होने की सूचना प्राप्त हुई है। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ सहित अन्य दल घटनास्थल पर पहुंचकर

सघन राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। इस मामले में निरंतर संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हूं। ईश्वर से सभी के सकुशल होने की प्रार्थना करता हूं। उत्तराखंड पुलिस ने इस हादसे की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से दी और उन्होंने यात्रियों से अनुरोध किया है कि सुरक्षित स्थानों पर रुकें। उत्तराखंड पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यमुनोत्री हाईवे पर सिलाई बैंड में अतिवृष्टि से लेबर कैंप में भारी लैंडस्लाइड हुआ है। 9 मजदूर लापता हैं और 10 को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला गया है। इसके अलावा, हाईवे का 10–12 मीटर का हिस्सा बह गया है। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ व पुलिस राहत–बचाव में जुटे हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि सुरक्षित स्थानों पर रुकें।

श्री त्रिलोक मलिक एएसआरदिप ग्रुप डायरेक्टर–यूएसए, ने न्यूयॉर्क को हंसी और खुशी से जगमगा दिया

ब्यूरो चीफ/ देश की उपासना

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 को ऊर्जा, गहरी आध्यात्मिक प्रतिध्वनि और हास्य के साथ मनाया गया, क्योंकि एमी–नामांकित फिल्म निर्माता, वेलनेस एडवोकेट, एएसआरदिप ग्रुप–यूइसए डायरेक्टर, श्री तिरलोक मलिक ने न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में अपने सिग्नेचर हैप्पी लाइफ योगष सत्र के साथ दुनिया भर के लोगों के चेहरों पर मुस्कान ला दी। यह कार्यक्रम "UPLIFTNY2025" था, जो परोपकारी मीरा गांधी और उनकी संस्था, 'द गिविंग बैक फाउंडेशन' द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का एक प्रेरक उत्सव था।

चित्र में बाएं त्रिलोक मलिक और साथ में दाहिनी ओर अभिनेता अनुपम खेर

21 जून को आयोजित इस कार्यक्रम में योग, माइंडफुलनेस, हंसी और कहानी सुनाने का मिश्रण था – ये सभी तत्व श्री मलिक के वेलनेस के प्रति अनूठे दृष्टिकोण को परिभाषित करते हैं। सेंट्रल पार्क के गर्मियों के मौसम की पृष्ठभूमि में, विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागी व्यक्तिगत रूप से और ऑनलाइन एकत्र हुए, योग और आनंद के माध्यम से महाद्वीपों से जुड़े। 22 जून को, ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन ऑफ पीपल ऑफ इंडियन ओरिजिन ने अपने वार्षिक वैश्विक वर्चुअल समारोह की मेजबानी की, जिसमें महामारी के बाद से बड़े पैमाने पर ऑनलाइन सभाओं के आयोजन की अपनी परंपरा जारी रही। अब डिजिटल होने के अपने लगातार चौथे वर्ष में, GOPIO कार्यक्रम वास्तव में वैश्विक आयोजन बन गया है, जो समय क्षेत्रों में भारतीय मूल के पेशेवरों, नेताओं और परिवर्तनकर्ताओं को जोड़ता है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्यदूत राजदूत बिनया श्रीकांत प्रधान ने इस वर्चुअल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में कार्य किया, जिसका नेतृत्व GOPIO के अध्यक्ष डॉ. थॉमस अब्राहम और अध्यक्ष प्रकाश शाह ने किया। प्रतिभागियों में विविध क्षेत्रों – उत्तरी अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका और एशिया – के व्यक्ति और वैज्ञानिक और लेखक से लेकर उद्यमी और यहां तक कि नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित व्यक्ति तक शामिल थे। श्री त्रिलोक मलिक ने इस कार्यक्रम में एक वेलनेस एडवोकेट और फिल्म निर्माता के रूप में भाग लिया, और इस बारे में जानकारी साझा की कि कैसे खुशी और सकारात्मक सोच संस्कृतियों के बीच पुल का काम कर सकती है। वर्चुअल सभा के दौरान उन्होंने कहा, 'चाहे वह योग हो या कहानी सुनाना, इसका उद्देश्य जीवन को छूना और खुशी फैलाना है।

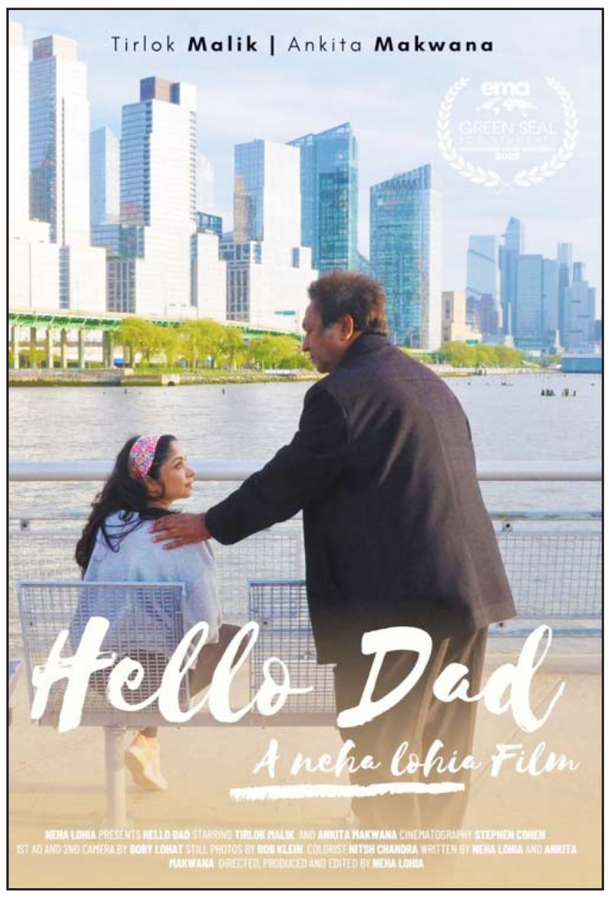

सिनेमा के मोर्चे पर, श्री मलिक न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में भी मौजूद थे, जिसने हाल ही में अपनी 25वीं वर्षगांठ मनाई, जो उत्तरी अमेरिका में सबसे पुराने और सबसे सम्मानित भारतीय फिल्म फेस्टिवल के रूप में अपनी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। फेस्टिवल के हर संस्करण में शामिल होने वाले श्री त्रिलोक मलिक ने न्यूयॉर्क के लोगों के लिए इस समृद्ध कार्यक्रम को लगातार आयोजित करने के लिए फेस्टिवल डायरेक्टर असीम छाबड़ा और पूरी टीम का दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने फेस्टिवल की प्रशंसा एक जीवंत जगह के रूप में की, जहाँ दर्शक विचारोत्तेजक, कलात्मक फिल्मों के प्रीमियर का आनंद ले सकते हैं और रचनात्मक ऊर्जा से भरपूर माहौल में फिल्म बिरादरी के सदस्यों से जुड़ सकते हैं। प्रदर्शित फिल्मों में दिग्गज अनुपम खेर द्वारा निर्देशित एक मार्मिक फीचर तन्वी द ग्रेट भी शामिल थी, जिसे इसके शक्तिशाली अभिनय और सार्वभौमिक विषय के लिए दिल से सराहना मिली। श्री अनुपम खेर के दोस्त, हॉलीवुड और न्यूयॉर्क के सबसे पसंदीदा अभिनेता रॉबर्ट डी नीरो भी वहाँ मौजूद थे। फिल्म 'हैलो डैड' का पोस्टर जारी किया गया।

इस बीच, श्री मलिक की लघु फिल्म हैलो डैड – जिसका निर्देशन नेहा लोहिया ने किया है और जिसमें स्विस अभिनेत्री अंकिता मकवाना ने भी काम किया है – को आलोचकों की प्रशंसा मिल रही है। न्यूयॉर्क में फिल्माई गई पिता–पुत्री की मार्मिक कहानी को प्रतिष्ठित पर्यावरण मीडिया एसोसिएशन (ईएमए) ग्रीन सील पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन प्रस्तुतियों के लिए आरक्षित है जो आकर्षक कथाएँ प्रस्तुत करते हुए पर्यावरण के अनुकूल फिल्मांकन प्रथाओं का पालन करती हैं। इस साल श्री त्रिलोक मलिक के भारत यात्रा के दौरान डॉ० अखिलेश, चेयरमैन एएसआरदिप ग्रुप, के साथ मिलना और वार्ता में नई फिल्म के शुरु करने को लेकर बातचीत हुई। न्यू यॉर्क सेंट्रल पार्क में योग मैट में खुशी की सांस लेने से लेकर फिल्म के माध्यम से भावनात्मक आत्मनिरीक्षण को जगाने तक, श्री त्रिलोक मलिक विभिन्न माध्यमों और प्लेटफार्मों पर प्रेरणा देना जारी रखते हैं। उनका काम – खुशी, स्वास्थ्य और चेतना पर आधारित – हमें याद दिलाता है कि खुशी एक विलासिता नहीं है, बल्कि एक दैनिक अभ्यास है। इसी टॉपिक पर जल्दी ही भारत में नई फिल्म की शुरुवात होगी।

संपादकीय

अविश्वास का बीमा

जीवन में असुरक्षा, स्वास्थ्य व अपनों के भविष्य की तमाम चिंताओं से मुक्ति के लिये कोई व्यक्ति बीमा का सुरक्षा कवच लेने को बाध्य होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह विश्वास होता है कि ऊंच–नीच के वक्त में यह बीमा मददगार साबित होगा। लेकिन विडंबना यह है कि जिस बीमा क्षेत्र का आधार विश्वास होना चाहिए, उसको लेकर पॉलिसी धारकों में लगातार अविश्वास बना रहता है। बीमा कराने वाले एजेंटों और कंपनियों की ढकी–छिपी शर्तें उपभोक्ताओं के मन में अकसर संशय के बीज बोती हैं। जब बीमाधारकों को पॉलिसी का लाभ लेने का वक्त आता है तो उन्हें तमाम जटिल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। हाल में आयोजित किए गए सर्वेक्षण ने इस वास्तविकता पर मोहर ही लगायी है। सर्वेक्षण बीमा क्षेत्र की तमाम विसंगतियों को उजागर ही नहीं करता बल्कि एक कठोर वास्तविकता की ओर भी इशारा करता है। सर्वेक्षण का निष्कर्ष है कि बीमा क्षेत्र में व्याप्त तमाम विसंगतियों को दूर करने के लिये लगातार निगरानी करने वाले एक सख्त नियामक तंत्र की आवश्यकता है। सर्वेक्षण के निष्कर्ष कई गंभीर खामियों की ओर इशारा करते हैं। इसके निष्कर्षों के अनुसार भारत के लगभग 65 फीसदी बीमा पॉलिसी धारकों को नहीं पता होता है कि उन्हें पॉलिसी लेने से कौन–कौन से लाभ होते हैं। उन्हें नहीं मालूम कि पॉलिसी से बाहर निकलने की प्रक्रिया कैसी है। यह भी नहीं मालूम कि दावा प्रक्रिया की आवश्यक कार्यवाही को उन्हें कैसे अंजाम देना है। इतना ही नहीं लगभग 60 फीसदी आश्रितों को यह भी नहीं पता कि वे किसी पॉलिसी के अंतर्गत कवर हैं। वे इस बात से अनजान हैं कि उन्हें किस चीज व किस स्थिति में बीमा लाभ मिलेगा। कमोबेश यह स्थिति तब है जब देश में बीमा उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। निस्संदेह, यह समझ की कमी केवल उस शब्दावली से ही नहीं उपजी है जिसे समझना मुश्किल है, बल्कि बीमा करते समय उपभोक्ता को उसकी प्रक्रिया और लाभों का सिर्फ एक पक्ष ही बताया जाता है। कई वास्तविकताएं शब्दजाल में छिपा ली जाती हैं। निश्चित रूप से बीमा का मूल उद्देश्य तब विफल हो जाता है, जब बीमाकर्ता उपभोक्ताओं को सही ज्ञान और लाभ लेने की वास्तविक प्रक्रिया की जानकारी देने के मूल कर्तव्य में विफल हो जाता है। दरअसल, विभिन्न क्षेत्रों में वित्तीय उत्पादों की गलत बिक्री भी एक प्रमुख चिंता का विषय बनी हुई है। जो कि पहले ही चरण में वित्तीय सुरक्षा के अंतिम लक्ष्य को कमजोर कर देती है। आम धारण बन गई है कि बीमा उद्योग इससे जुड़ी कंपनियों के आर्थिक हितों और जन के हितों के टकराव के रूप में स्थापित है। इसमें जनहित की प्राथमिकता नहीं होती बल्कि कंपनी का मुनाफा कमाने को तरजीह दी जाती है। अपना टारगेट पूरा करने के लिये उपभोक्ताओं को जबरन पॉलिसी चिपकाने वाले एजेंटों से लेकर ऐसे फील्ड अफसरों की लंबी सूची है, जिनकी प्राथमिकता बीमा कंपनी को लाभ पहुंचाने की ही होती है। विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में रोगी की कीमत पर बीमाकर्ता व अस्पतालों के अपवित्र गठबंधन ने इसकी विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठाये हैं। दरअसल, विनियामक नियंत्रण अपर्याप्त पाए गए हैं। इसके अलावा जवाबदेही का घोर अभाव पाया गया है। इसके साथ ही बीमा पॉलिसियों को लेकर पारदर्शिता की भारी कमी पायी जाती है।

आम प्रकृति नहीं स्त्री का हिंसक प्रतिरोध

प्रमोद

मेघालय में हाल में हुए हनीमून हत्याकांड के बाद से अचानक ऐसी खबरों की भरमार मीडिया में हो गई है, जिनमें मानवीय और पारिवारिक रिश्तों को लेकर कुछ परंपरागत ध

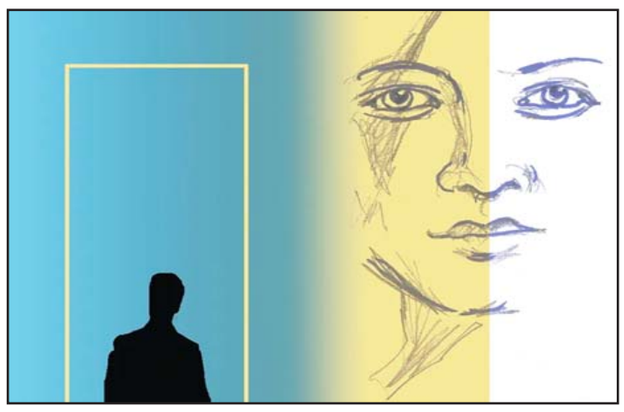

ारणाएं टूटती दिखाई पड़ रही हैं। खासतौर से अपराध में स्त्रियों की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर तथाकथित 'घातक पत्नियों' के मीम्स और मजाक की बाढ़ आ गई है। सोनम रघुवंशी और राजा रघुवंशी मामला अभी विवेचना के दायरे में है, इसलिए उस पर टिप्पणी करना उचित नहीं, पर उसके आगे–पीछे की खबरें इस बात का संकेत तो कर ही रही हैं कि हमारे बीच कुछ टूट रहा है। आप पूछेंगे कि क्या टूट रहा है? एक नहीं अनेक चीजें टूट रही हैं। घर–परिवार टूट रहे हैं, रिश्ते टूट रहे हैं, विश्वास टूट रहा है, भावनाएं टूट रही हैं और वर्जनाओं–नैतिकता की सीमाएं टूट रही हैं। इस दौरान जो मामले सामने आए हैं उनमें प्रेम, विश्वासघात और मानवीय रिश्तों के अंधेरे पक्ष को लेकर सवाल उठे हैं। इन सभी प्रसंगों से इस बात पर रोशनी पड़ती है कि मानवीय भावनाएं, खास तौर पर प्रेम और वासना, कितनी जटिल और विनाशकारी हो सकती हैं। किस हद तक व्यक्ति जुनून और विश्वासघात से प्रेरित हो सकता है। यह उस अंधेरे को भी सामने लाता है जो प्रेमपूर्ण रिश्तों में मौजूद हो सकता है और कैसे प्रेम का विनाशकारी रूप सामने आ सकता है। पहले इन सुर्खियों पर निगाह डालें। एक लिव–इन पार्टनर ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर खुद भी आत्महत्या कर ली। दूसरी खबर है, लिव–इन में रह रही युवती की हत्या, प्रेमी फरार। संपत्ति विवाद में पत्नी ने बेटे की मदद से पति को तकिए से मुंह दबाकर मार डाला। राजस्थान में प्रेमी संग मिलकर पत्नी ने की पति की हत्या। पारिवारिक झगड़े में पति ने अपनी पत्नी को गोली मार दी और फिर खुद को भी गोली मार ली। एक घटना किसी दूसरी घटना का प्रेरणास्रोत बनती है। तेलंगाना में एक हत्या की जांच से पता लगा कि मेघालय के अंदाज में हत्या की योजना बनाई गई, जिसमें बाहर से लाए गए हत्यारों की भूमिका होती। बाद में इसे टाल दिया और दूसरा रास्ता अपनाया गया। इन सभी घटनाओं की पृष्ठभूमि एक जैसी नहीं है, पर सबमें पति, पत्नी, प्रेमी या प्रेमिका के प्रति विश्वासघात शामिल है। विश्वासघात के भी अलग–अलग कारण और ढंग हैं। इनमें किसी दूसरे प्रेमी या प्रेमिका, संपत्ति, ईर्ष्या या अचानक पैदा हुए आवेश की भूमिका है। हालांकि, हमारे पास इसे साबित करने वाला डेटा नहीं है, पर ऐसा लगता है कि स्त्रियों के व्यवहार में भी परिवर्तन आ रहा है। वे जीवन के अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं, तो आपराधिक प्रवृत्तियों में भी शामिल होने लगी हैं। स्त्रियों की परंपरागत छवि में जो बदलाव आ रहा है, उसमें शायद यह भी एक मोड़ है। बहरहाल, यह सामाजिक रिश्तों और मानसिक–प्रवृत्तियों के शोध का विषय है।

पारिवारिक हिंसा समाज–शास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, फोरेंसिक और चिकित्सा दृष्टिकोण से एक प्रमुख सार्वजनिक चिंता का विषय है। हत्या के अपराध, इसकी व्यापकता और इसे अंजाम देने के तरीकों का अवलोकन कुछ निष्कर्षों की ओर ले जाएगा, इसलिए इसकी निवारक रणनीतियों पर हमें विचार करना चाहिए। विवाह–हत्या सामान्य रूप से हत्याओं का एक प्रासंगिक हिस्सा है। यह अभी तक पश्चिमी समाज की समस्या मानी जाती थी, पर धीरे–धीरे यह हमारे जीवन में भी प्रवेश करेगी। निराशा, शराब का सेवन, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक–आर्थिक कठिनाइयां पारिवारिक दुर्व्यवहार के कुछ पूर्वानुमानित कारक हैं, जो पारिवारिक विघटन, हिंसक व्यवहार और अंततः विवाह–हत्या का कारण बनते हैं। पिछले तीन दशकों में टीवी सीरियलों और ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर स्त्रियों की नकारात्मक छवि का असर भी हमारे जीवन पर है। कुछ धारावाहिकों में, महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर दिखाया जाता है। कुछ में उन्हें घरेलू हिंसा और उत्पीड़न का शिकार दिखाया जाता है। मजबूत, स्वतंत्र और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने वाली महिला–पात्र, लड़कियों के आदर्श होने चाहिए। ऐसी महिलाएं हमारे बीच हैं भी, पर अय्याश, धोखेबाज, क्रूर, साजिशकार और विवाहेतर संबंधों में यकीन करने वाले स्त्री पात्रों को मनोरंजन माध्यमों ने भरपूर परोसा है। यह जमीनी–सच भले ही नहीं है, पर इसने सामाजिक–जीवन को प्रभावित जरूर किया है। ऊपर की घटनाओं में कुछ स्त्रियां अपराधी की भूमिका में नजर आती हैं, पर हमारे यहां स्त्रियां सबसे ज्यादा अपराधों की शिकार होती हैं। छत्तीसगढ़ से प्राप्त 23 जून की एक खबर है कि पिछले 115 दिनों में राज्य में 30 महिलाओं की उनके पतियों ने हत्या कर दी। यानी के हर चार दिन में एक हत्या। हाल में अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत की यात्रा पर आने वाले अपने नागरिकों के लिए लेवल–2 की यात्रा चेतावनी जारी की है। इसमें कहा गया है कि 'बलात्कार अभी भारत में सबसे तेजी से बढ़ते अपराधों में से एक है। यहां सेक्सुअल असॉल्ट समेत हिंसक अपराध टूरिस्ट स्पॉट और दूसरे स्थानों पर होते हैं।' भारत की सामान्य स्त्री असुरक्षा से पीड़ित रहती है। अत्यधिक असुरक्षा भी कई बार उनसे हत्या जैसा अपराध करवा सकती है। पर अचानक स्त्रियों की हत्यारी छवि बनने लगी है, जो खतरनाक बात है। संभव है कि कुछ स्त्रियां किसी अपराध की साजिश में दिखाई पड़ें, पर यह कम से कम हमारे समाज की आम प्रवृत्ति नहीं है। हमारे समाज में सामाजिक विघटन को रोकने और परिवारों को बचाए और बनाए रखने में स्त्रियों की सबसे बड़ी भूमिका है। ऐसे अपराध पहले भी होते रहे होंगे, पर समाचार–मीडिया के विस्तार ने ऐसी समझ के विस्तार में भी भूमिका अदा की है। ऐसी खबरों को चटपटा माल मानकर उछालने की प्रवृत्ति है। मीडिया की दिलचस्पी इन अपराधों के पीछे के मानसिक और सांस्कृतिक कारणों को खोजने में नहीं है। बहुत–सी बातों का जवाब मनोवैज्ञानिकों और मनोचिकित्सकों के पास होगा, पर मीडिया की कितनी दिलचस्पी इसमें है? किसी भी हत्या, आत्महत्या या आक्रमण के पीछे के मनोवैज्ञानिक–कारणों की तलाश भी होनी चाहिए। अपेक्षाकृत बंद भारतीय समाज में शहरीकरण, स्त्री–शिक्षा और कार्य–क्षेत्र में स्त्रियों की बढ़ती उपस्थिति के कारण स्त्री–पुरुष संबंधों में भी बदलाव हुआ है और उसके अंतर्विरोध भी स्पष्ट हैं। शहरीकरण, स्त्री–शिक्षा के विस्तार और मीडिया की भूमिका के समांतर हमारे जीवन में लिव–इन रिलेशनशिप और पारिवारिक विघटन की घटनाएं भी बढ़ी हैं।

सलबेगा के बगैर पूरी नहीं होती पुरी की रथ यात्रा

पंकज

श्री जगन्नाथ पुरी में मंदिर से रथ चला गुंडेचा मंदिर की तरफ लेकिन रास्ते में एक ही जगह वह रुकता है, वह है भक्त सलबेगा की मजार, जगन्नाथ का मुस्लिम अनन्य भक्त। ओडिसी नृत्य हो या शास्त्रीय गायन या दूरस्थ अंचल की कोई धार्मिक सभा, सलबेगा द्वारा रचित भजन के बगैर उसे अधूरा ही माना जाता है। भगवान जगन्नाथ के भक्त सलबेगा को ओडिया भक्ति संप्रदाय में विशिष्ट स्थान मिला हुआ है। कह सकते हैं कि वे अपने दौर के क्रांतिकारी रचनाकार थे जो इस्लाम को भी मानते थे और प्रभु जगन्नाथ को भी शीश नवाते थे। भक्त सलबेगा की एक प्रसिद्ध रचना आज भी सभी धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों में सस्वर गाई जानी लगभग अनिवार्य मानी जाती है। सलबेगा के प्रारम्भिक जीवन के बारे में तथ्यों से अधिक किंवदंतियां चर्चित हैं। भक्त सलबेगा 17वीं शताब्दी की शुरुआत के एक ओडिया भाषा के धार्मिक कवि थे। उनका जन्म मुगल सेना के मुस्लिम योद्धा लालबेगा के यहां हुआ। उन दिनों मुगल हमेशा श्रीमंदिर को गिराने के लिए कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे। एक बार जब मुगल योद्धा लालबेग, पुरी के डंडा मुकुंदपुर इलाके के पास पुरी से लौट रहे थे, तो उन्होंने एक सुंदर युवा ब्राह्मण विधवा को स्नान घाट से लौटते हुए पाया। उसने महिला का अपहरण कर लिया और अंत में मजबूरी में उससे शादी कर ली, जो बाद में फातिमा बीवी के नाम से जानी जाने लगी। सलबेगा फातिमा बीवी और लालबेगा के पुत्र थे। बचपन से ही उन्होंने अपनी मां से भगवान जगन्नाथ, भगवान कृष्ण और भगवान राम के बारे में सुना। वह उनकी ओर आकर्षित हो गया। वह उनकी भक्ति करता, उन पर गीत लिखता। फातिमा बीवी की मृत्यु के समय भक्त सलबेगा एक बच्चा था। एक बार वह एक गंभीर बीमारी से ग्रसित हो गया और सभी वैद्यदृहकीमों ने उम्मीद छोड़ दी कि भक्त सलबेगा जीवित नहीं रह सकता। एक दिन जब वह बिस्तर पर था तो उसने भजन सुना और सोचा कि महान भगवान जगन्नाथ जो कि दुनिया के भगवान हैं, मुझे ठीक करने में सक्षम होंगे। सलबेगा भगवान जगन्नाथजी की भक्ति में इतना खो गया था कि वो दिन–रात पूजा–अर्चना और भक्ति करने लगा। इसी भक्ति और पूजा–अर्चना के चलते सलबेगा को मानसिक शांति और जीवन जीने की शक्ति मिलने लगी। मुस्लिम होने के कारण सलबेगा को मंदिर में प्रवेश नहीं मिलता। वह मंदिर के बाहर ही बैठकर भगवान की भक्ति करने लगता। ऐसा माना जाता है कि भगवान जगन्नाथ जी उसे सपने में आकर दर्शन दिया करते। भगवान उसे सपने में आकर घाव पर लगाने के लिए भभूत देते और सलबेगा सपने में ही उस भभूत को अपने माथे पर लगा लेता। उसके लिए हैरान करने वाली बात यह थी कि उसके माथे का घाव सचमुच में ठीक हो गया था। मुस्लिम होने के कारण सलबेगा कभी भी भगवान जगन्नाथ जी के दर्शन नहीं कर पाया और उसकी मृत्यु हो गई। अपनी मृत्यु से पहले सलबेगा ने कहा था, 'यदि मेरी भक्ति में सच्चाई है तो मेरे प्रभु मेरी मजार पर जरूर आएंगे।' मृत्यु के बाद सलबेगा की मजार जगन्नाथ मंदिर से गुंडिचा मंदिर के रास्ते में बनाई गई थी। इसके कुछ महीने बाद जब जगन्नाथजी की रथयात्रा निकली तो सलबेगा की मजार के पास आकर भगवान का रथ रुक गया और लाख कोशिशों के बाद भी रथ इंच भर भी आगे नहीं बढ़ा। तभी पुरोहितों और राजा ने सलबेगा की सारी सच्चाई जानी और भक्त सलबेगा के नाम के जयकारे लगाए। जयकारे लगाने के बाद रथ चलने लगा। बस तभी से हर साल मौसी के घर जाते समय जगन्नाथजी का रथ सलबेगा की मजार पर कुछ समय के लिए रोका जाता है।

..... विविध .....

दिल हो जाए कमजोर तो शरीर देने लगता है ये संकेत, जरा भी न करें नजरअंदाज

हमारा दिल (हार्ट) शरीर के सबसे जरूरी अंगों में से एक है। इसका काम लगातार खून को पंप करना है ताकि पूरे शरीर में ऑक्सीजन और जरूरी पोषक तत्व पहुंचते रहें। जब दिल सही तरह से काम करता है, तब शरीर भी स्वस्थ रहता है। आज की तेज

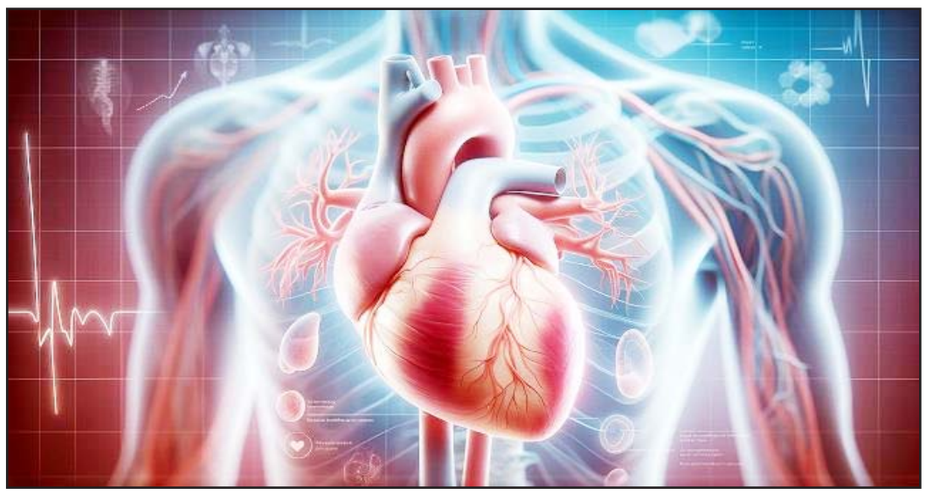

रफ्तार जिंदगी, खराब खान–पान, तनाव, मोटापा और बढ़ती उम्र की वजह से दिल से जुड़ी बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पहले ये बीमारियां उम्रदराज लोगों में होती थीं, लेकिन अब ये युवाओं को भी परेशान कर रही हैं। जब दिल कमजोर होने लगता है, तो शरीर कई तरह के संकेत देता है। लेकिन अधिकतर लोग इन्हें मामूली समझकर अनदेखा कर देते हैं। अगर इन संकेतों को समय पर पहचान लिया जाए और इलाज शुरू कर दिया जाए, तो बड़ी मुसीबत से बचा जा सकता है।

हार्ट कमजोर होने के संकेत

बिना मेहनत के जल्दी थकान और सांस फूलनारू अगर आप बिना ज्यादा मेहनत के ही जल्दी थक जाते हैं या थोड़ी सी चढ़ाई या चलने पर ही सांस फूलने लगती है, तो यह दिल की कमजोरी का संकेत हो सकता है। यह इसलिए होता है क्योंकि शरीर के सभी अंगों तक खून और ऑक्सीजन सही मात्रा में नहीं पहुंच पाता। पैरों, टखनों और पेट में सूजनरू जब हार्ट कमजोर हो जाता है, तो शरीर में तरल पदार्थ (सिनपक) जमा होने लगते हैं। इसका असर पैरों, टखनों, पंजों और पेट में सूजन के रूप में दिख सकता है। हालांकि ये लक्षण किडनी या लिवर की बीमारी में भी होते हैं, लेकिन हार्ट से जुड़ी दिक्कतों में भी ये आम हैं।

सीने में दर्द, भारीपन या जकड़नरू अगर सीने में बार–बार दर्द हो, दबाव महसूस हो या भारीपन लगे, तो ये हार्ट अटैक या हार्ट की कमजोरी का संकेत हो सकता है। यह दर्द बाएं हाथ, जबड़े, पीठ या गर्दन तक भी फैल सकता है। अगर ऐसा हो रहा हो, तो इसे नजरअंदाज ना करें और तुरंत डॉक्टर से मिलें।

दिल की धड़कन तेज या अनियमित होनारू अगर आपकी दिल की धड़कन कभी बहुत तेज, कभी बहुत धीमी या अनियमित हो रही हो, तो यह भी हार्ट की समस्या का इशारा हो सकता है।

हार्ट कमजोर होने के संकेत

दिल कमजोर होने के पीछे कई वजहें हो सकती हैं

हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप)

कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना

मोटापा और शारीरिक गतिविधियों की कमी

धूम्रपान और शराब का सेवन

लगातार तनाव और नींद की कमी

परिवार में दिल की बीमारी का इतिहास (अनुवांशिकता)

कब डॉक्टर से मिलना चाहिए?

अगर आपको ऊपर बताए गए कोई भी लक्षण नजर आएं तो देरी ना करें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। खुद से दवाएं लेना सही नहीं है, डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही टेस्ट करवाएं और इलाज शुरू करें। अगर आपके परिवार में पहले से दिल की बीमारी का इतिहास रहा है तो और ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए।

कैसे रखें दिल को मजबूत?

सही खान–पान अपनाएंरू खाने में हरी सब्जियां, ताजे फल, साबुत अनाज कम फैट वाला दूध और मछली शामिल करें। ड्राई फ्रूट्स जैसे बादाम, अखरोट का सीमित मात्रा में सेवन फायदेमंद है। जंक फूड, तले हुए भोजन और ज्यादा मीठे से परहेज करें। रोजाना वॉक और एक्सरसाइज करें हर दिन कम से कम 30 मिनट तक तेज चलना या हल्की–फुल्की एक्सरसाइज करें। योग और प्राणायाम भी दिल की सेहत के लिए फायदेमंद हैं। धूम्रपान और शराब से दूरी रखेंरू सिगरेट और शराब दिल की सेहत के लिए जहर की तरह होती हैं। इन्हें जितना जल्दी छोड़ा जाए, उतना बेहतर। तनाव को कंट्रोल करेंरू तनाव कम करने के लिए मेडिटेशन करें, मनपसंद संगीत सुनें, किताबें पढ़ें या अपने शौक पूरे करें। नियमित जांच करवाएंरू ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल की जांच समय–समय पर कराते रहें। अगर कोई दिक्कत हो, तो तुरंत डॉक्टर से मिलें। दिल की बीमारियां खतरनाक तो होती हैं, लेकिन अगर समय पर लक्षणों को पहचाना जाए और इलाज शुरू किया जाए, तो इन्हें रोका जा सकता है। हार्ट की सेहत हमारे अपने हाथ में है थोड़ी सावधानी, सही जीवनशैली और जागरूकता से हम इसे मजबूत बना सकते हैं।

बरसात के मौसम में बच्चों की इम्यूनिटी का रखें खास ख्याल

कुछ राज्यों में मानसून का आगाज हो चुका है। बारिश का मौसम बहुत सुहाना होता है, लेकिन इस दौरान बच्चों की सेहत का ध यान रखना बहुत जरूरी होता है। इस मौसम में कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, खासकर मच्छर से फैलने वाले रोग जैसे मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया और वायरल फीवर, सर्दी–जुकाम आदि। ऐसे में बच्चों की इम्यूनिटी यानी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होनी चाहिए ताकि वे बीमारियों से बचे रहें।

इम्यूनिटी क्या होती है?

इम्यूनिटी का मतलब है शरीर की वह क्षमता जो उसे बीमारियों और संक्रमणों से लड़ने में मदद करती है। यह शरीर की सुरक्षा कवच की तरह होती है, जो वायरस, बैक्टीरिया और अन्य हानिकारक जीवों से हमें बचाती है। इसलिए बच्चों की इम्यूनिटी को मजबूत रखना बहुत जरूरी होता है। आप अपने बच्चों की इम्यूनिटी को चार सरल तरीकों से बढ़ा सकते हैं। ये तरीके नेचुरल हैं और बच्चों की सेहत के लिए बिल्कुल सुरक्षित भी।

हल्दी

हल्दी एक ऐसा मसाला है जिसे रोजाना खाना पकाने में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और सूजन कम करने वाले गुण होते हैं। हल्दी में करक्यूमिन नामक तत्व होता है जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है और संक्रमण से बचाता है। आप हल्दी को बच्चों के खाने में शामिल कर सकते हैं।

ब्रोकली

ब्रोकली विटामिन सी और शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। यह बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है। बच्चों को सब्जियों में ब्रोकली जरूर खिलाएं।

खट्टे फल

संतरा, नींबू, अमरूद जैसे खट्टे फल विटामिन सी से भरपूर होते हैं। विटामिन सी इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है और शरीर को बीमारियों से लड़ने के लिए तैयार करता है। रोजाना बच्चों को मौसमी खट्टे फल खिलाएं।

विटामिन डी युक्त खाद्य पदार्थ

विटामिन डी हड्डियों के लिए जरूरी होने के साथ–साथ इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मदद करता है। इसे पाने का सबसे अच्छा तरीका है सुबह की धूप लेना। इसके अलावा दूध, दही, अंडा, पनीर और मशरूम विटामिन डी के अच्छे स्रोत हैं। बच्चों को ये फूड आइटम जरूर दें। इस तरह आप अपने बच्चों की इम्यूनिटी को नेचुरल तरीके से मजबूत कर सकते हैं और उन्हें मानसून में होने वाली बीमारियों से बचा सकते हैं।

ये था शेफाली जरीवाला की दमकती त्वचा का राज, ऐसे रखती थी खुद को जवां

शेफाली जरीवाला अपनी खूबसूरत और ग्लोइंग स्किन के लिए हमेशा से ही फैंस के बीच चर्चित रही हैं। 90 के दशक में 'कांटा लगा' जैसे हिट म्यूजिक वीडियो से लेकर बिग बॉस 13 तक, उनकी खूबसूरती ने लोगों का दिल जीत लिया। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शेफाली की जवां और दमकती त्वचा का राज उनके ब्यूटी रूटीन और खास घरेलू स्क्रब में छुपा है? इस आर्टिकल में जानिए कैसे शेफाली अपनी स्किन की देखभाल करती थीं और आप भी उनसे प्रेरणा लेकर अपनी त्वचा को बना सकते हैं स्वस्थ और निखरी।

बेबी ऑयल से गहरा क्लीनिंग

शेफाली मेकअप रिमूवल के लिए कैमिकल–फ्री बेबी ऑयल का इस्तेमाल करती थीं, जो त्वचा को गहराई से साफ करता है। इससे न सिर्फ पिंपल्स और दाग–धब्बे दूर होते हैं, बल्कि त्वचाशुष्कता और रूखापन भी खत्म हो जाता है। रिंस करने पर त्वचा मुलायम, नमी से भरपूर और झुर्रियों से भी मुक्त दिखती है।

एक लाइन में खुद को सजाना पसंद

दिनभर भारी मेकअप करने के बजाय, शेफाली सिर्फ आंखों पर काजल लगाती थीं। इससे उनकी आंखों में चमक रहती थीं और उनका लुक प्राकृतिक और फ्रेश महसूस होता था ।

घरेलू स्क्रबः चीनी या शहद मिला तेल

उनके स्किनकेयर में सबसे खास था मां का बनाया स्क्रब– नारियल या बादाम तेल में चीनी या शहद मिलाकर चेहरे पर हल्के हाथों से स्क्रब किया जाता है। इससे त्वचा के रोमछिद्र खुल जाते हैं, दाग–धब्बे, झाई, पिंपल्स व सन टैन हट जाते हैं, और त्वचा लम्बे समय तक नमी से हाइड्रेट रहती है।

सुबह का नुस्खाः गुनगुना पानी

स्वस्थ त्वचा के लिए शेफाली दिन की शुरुआत 1 लीटर गुनगुने पानी से करती थीं। यह शरीर में हाइड्रेशन बनाए रखता है, पाचन में मदद करता है और जहरदृटॉक्सिन को बाहर निकालकर चेहरे पर नैचरल ग्लो देता है।

रात का संपूर्ण पोषण

शेफाली रात में सोने से पहले स्किन को गहराई से पोषित करती थीं– मेकअप रिमूव करना उनके रूटीन का हिस्सा था, और फिर मॉइस्चराइजर और नाइट क्रीम लगाना कभी नहीं भूलती। यह स्किन को रात भर नमी और पोषण देता है, जिससे सुबह मुलायम और ब्राइट त्वचा जागती है।

शेफाली जरीवाला की खूबसूरती का राज महंगी ब्यूटी प्रोडक्ट्स में नहीं, बल्कि सरल और नैचरल घरेलू उपायों में है। नियमित स्क्रब, हाइड्रेशन, सही पोषण और रात की देखभाल ने उनकी स्किन को हमेशा जवां और ग्लोइंग रखा है।

उपभोग प्रमाणपत्र न देने पर निकायों के 1700 करोड़ रुपये रोके गए

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में नगर निकायों की लापरवाही विकास पर भारी पड़ रही है। इससे स्टांप एवं पंजीयन विभाग ने 762 निकायों के करीब 1700 करोड़ रुपये रोक लिए हैं। ये कार्रवाई उन निकायों पर की गई है जिन्होंने पहले दी गई राशि का उपभोग प्रमाणपत्र (यूसी) नहीं दिया है। नगरीय क्षेत्रों में विकास के लिए स्टांप विभाग दो फीसदी राशि देता है। ये रकम 200 नगर पालिका परिषद, 545 नगर पंचायत और 17 नगर निगमों के बीच वितरित की जाती है। ये राशि प्रत्येक तिमाही जारी की जाती है। निकाय इससे विकास कार्य कराते हैं। निकायों को इस राशि के इस्तेमाल का ब्योरा उपभोग प्रमाणपत्र के रूप में देना पड़ता है। इसका मकसद ये है कि पैसा खातों में रखने के बजाय निकाय विकास कार्यों पर खर्च करें। स्टांप विभाग ने वर्ष 2024 की पहली और दूसरी तिमाही की रकम तो बिना प्रमाणपत्र लिए जारी कर दी थी ताकि विकास कार्यों में बाधा न पड़े। लेकिन, बड़ी संख्या में निकायों ने या तो धनराशि खर्च नहीं की या फिर यूसी नहीं दी। इसे देखते हुए विभाग ने शर्त लगा दी कि पहली और दूसरी तिमाही का उपभोग प्रमाणपत्र देने पर ही तीसरी और चौथी तिमाही की किस्त जारी की जाएगी। जिन निकायों ने तीसरी और चौथी तिमाही की यूसी नहीं दी है, उनकी वित्त वर्ष 25–26 की अप्रैल से जून की पहली और जुलाई से शुरु होने वाली दूसरी तिमाही की किस्त भी फंस गई है।

चौथी तिमाही का एक हजार करोड़ रुपये से ज्यादा शेष

निकायों की लापरवाही का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि तीसरी तिमाही की किस्त के रूप में उन्हें 943.86 करोड़ रुपये मिलने थे, लेकिन यूसी न देने से विभाग ने केवल 258.49 करोड़ ही जारी किए। शेष 685. 37 करोड़ रुपये रोक लिए गए हैं। इसी तरह चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च) का एक हजार करोड़ रुपये से ज्यादा शेष है।

निकायों को करीब 2090 करोड़ रुपये दिए गए

स्टांप एवं पंजीयन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों को रफ्तार देने के लिए निकायों को करीब 2090 करोड़ रुपये दिए गए। इस राशि को विकास के मद में खर्च किया या नहीं, इसका प्रमाणपत्र जिन निकायों ने नहीं दिया है, उनकी किस्त रोक ली गई है। ये निकायों की लापरवाही है क्योंकि तीन तिमाही में खर्च रकम का ब्योरा तक नहीं दिया गया है।

16 जुलाई से शुरू होगा मतदाता सूची में संशोधन का काम

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, राज्य निर्वाचन आयोग 16 जुलाई से मतदाता सूची संशोधित करने का प्रदेशव्यापी अभियान प्रारंभ कर सकता है। हालांकि, इस बारे में अभी तक आधिकारिक सूचना जारी नहीं की गई है। यूपी में पंचायत चुनाव अगले साल अप्रैल–मई में होंगे। इसके मद्देनजर पंचायतीराज विभाग और राज्य निर्वाचन आयोग ने परिसीमन, आरक्षण और मतदाता सूची को लेकर अपना काम शुरू कर दिया है। सोमवार तक ग्राम पंचायतवार जनसंख्या के निर्धारण का काम पूरा हो जाएगा। नए नगर निकाय बने या पुराने निकायों की सीमा विस्तार के चलते जो ग्राम पंचायतें प्रभावित हुई हैं, उन ग्राम पंचायतों और संबंधित क्षेत्र पंचायतों व जिला पंचायतों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों (वार्डों) की प्रस्तावित सूची का प्रकाशन 1 जुलाई से 3 जुलाई के मध्य होगा। प्रस्तावित वार्डों पर 4 जुलाई से 8 जुलाई तक आपत्तियां ली जाएंगी और 9 जुलाई से 11 जुलाई के बीच इनका निस्तारण किया जाएगा। अंतिम सूची का प्रकाशन 12 जुलाई से 14 जुलाई के बीच होगा। उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक, परिसीमन की यह प्रक्रिया पूरी होते ही राज्य निर्वाचन आयोग मतदाता सूची को अपडेट किए जाने का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर देगा। इसके तहत मतदाता सूची में नाम जुड़वाए या हटवाए जा सकते हैं। प्रस्तावित संशोधनों पर आपत्तियां भी आमंत्रित की जाएंगी। इसके लिए आयोग ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

पलटवार- खो चुके हैं दिमागी संतुलन : अखिलेश

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि गोरखपुर में विरासत गलियारा के नाम पर व्यापारियों के मकान और दुकानें ढहाकर जमीन लूटी जा रही है। पीड़ा सुनने वहां गए विधानसभा में नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव को भाजपा के विधायक व कार्यकर्ताओं ने रोका, जो निंदनीय है। इस घटना में नेता विरोधी दल गोरखपुर के जिलाधिकारी और एसएसपी के खिलाफ लिखकर कार्रवाई की मांग करेंगे और दोनों सदनों में नोटिस देंगे। प्रदेश सपा मुख्यालय पर शनिवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश यादव ने कहा कि अगर इनके खिलाफ अभी कार्रवाई नहीं हुई तो सपा सरकार बनने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर गोरखपुर के लोगों ने मुंह खोल दिया, तो वहां विरासत की जगह हिरासत गलियारा बनवाना पड़ेगा। साथ ही गोरखपुर में व्यापारियों की जमीनों का बाजार मूल्य दिए जाने की मांग भी की। अखिलेश ने कहा कि भाजपा अयोध्या और प्रयागराज में हारी है। वाराणसी में हारते–हारते बची है। अगला नंबर गोरखपुर और मथुरा का है। सिसोदिया नर्सिंग एवं पैरा मेडिकल कॉलेज में भी घपला हुआ, जहां कई सौ बच्चों की फीस जमा हुई थी, वे डिग्री के लिए घूम रहे है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा उन्हीं स्कूलों का विलय कर रही है, जहां के बूथ हारती है। इसमें चुनाव आयोग की भी मिलीभगत है।

जो आरक्षण के खिलाफ, वे कर रहे समाजवाद का विरोध

अखिलेश ने कहा कि जो लोग आरक्षण और संविधान के विरोधी हैं, वे संविधान में सेकुलर और समाजवाद शब्दों के खिलाफ बोलते हैं। धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद ने लोकतंत्र को और विस्तार दिया है। इससे पहले नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय ने विस्तार से गोरखपुर के पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। इस दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव भी मौजूद रहे।

अखिलेश का बिगड़ चुका है दिमागी संतुलनः स्वतंत्रदेव

गोरखपुर में विरासत गलियारे के मुद्दे को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव करारा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि सपा अध्यक्ष का दिमागी संतुलन बिगड़ गया है, इसलिए वह अनाप–शनाप बयान दे रहे हैं। आठ साल सत्ता से बाहर रहने की वजह से सपा अध्यक्ष कुंठा से ग्रस्त और बौखलाहट में हैं। झूठ फैलाना, भ्रम पैदा करना और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कटघरे में खड़ा करना उनकी राजनीतिक का हिस्सा बन गया है।

जलशक्ति मंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने कभी गोरखपुर को माफिया और पिछड़ेपन की पहचान दिलाई थी, वही आज उसी शहर के सांस्कृतिक और भौतिक विकास से घबराकर उसमें रोड़े अटका रहे हैं। एम्स, फर्टिलाइजर प्लांट, रामगढ़ ताल पुनर्जीवन और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाओं ने गोरखपुर को पूर्वांचल के नवजागरण का प्रतीक बना दिया है। यह सपा की संकीर्ण राजनीति को रास नहीं आ रहा। जल शक्ति मंत्री ने अखिलेश यादव द्वारा मुआवजे को लेकर दिए गए बयान को किसानों और व्यापारियों का अपमान बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भूमि अधिग्रहण पूरी पारदर्शिता के साथ, हाईकोर्ट की निगरानी में किया गया है ।

संक्षिप्त खबरें

एटीएस ने चौपट की वाहनों की फिटनेस जांच की व्यवस्था, टेस्टिंग स्टेशन बने भ्रष्टाचार के अड्डे

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में शनिवार को सड़क सुरक्षा पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें वक्ताओं ने कहा कि निजी एजेंसियों से संचालित ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) भ्रष्टाचार के अड्डे बन गए हैं। यहां आवेदकों का शोषण होता है। वाहनों की फिटनेस जांच की व्यवस्था को एटीएस ने चौपट कर दिया है। लेकिन, सरकारी फिटनेस जांच सेंटर की शुचिता आज भी बनी हुई है। ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मोटर व्हीकल डिपार्टमेंट टेक्निकल एग्जीक्यूटिव ऑफिसर एसोसिएशन व उप्र ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट रीजनल इंस्पेक्टर (टेक्निकल) सर्विस एसोसिएशन की ओर से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुई दो दिनी कार्यशाला के पहले दिन शनिवार को वक्ताओं ने गंभीर सवाल उठाए। जयपुर में मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर (एमवीआई) के पद पर तैनात राजेश कुमार चौधरी ने कहा कि एटीएस भ्रष्टाचार के अड्डे बन गए हैं। यही वजह है कि राजस्थान में 85 में से 82 एटीएस बंद हो चुके हैं। जो तीन चल भी रहे उनकी मॉनिटरिंग हो रही है।

उन्होंने बताया कि गाड़ियों की फिटनेस संबंधी 20 प्रश्नों का एक पेपर तैयार किया गया था, जिसका जवाब कर्मचारी नहीं दे पाए। वर्कशॉप में मुख्य अतिथि परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह रहे। महाराष्ट्र के प्रमुख सचिव परिवहन विवेक भिमनवार और यूपी के परिवहन आयुक्त बीएन सिंह भी शामिल हुए। चौधरी ने बताया कि यूपी व पश्चिम बंगाल की प्रतिवर्ष 15 हजार गाड़ियों की फिटनेस राजस्थान में एनीवेयर फिटनेस सिस्टम से हो रहा है। जबकि इन राज्यों में भी फिटनेस जांच की व्यवस्था है। इसकी वजहें तलाशने की जरूरत है। इसके लिए देशव्यापी डाटा बनाया जा रहा है, ताकि एटीएस की सारी खामियों को उजागर किया जा सके। यूपी के हर जिले में तीन एटीएस बनाने की योजना है। रोड सेफ्टी साइकोलॉजिस्ट रजनी गांधी ने कहा कि देश में हादसों में मौत की बड़ी वजह हेलमेट नहीं पहनना है। हेलमेट जीवनरक्षक औषधि है। उन्होंने सड़कों के अतिक्रमण, ट्रैफिक लाइट की टाइमिंग, जेब्रा क्रॉसिंग की कमी जैसे मुद्दों को भी उठाया। कहा, हादसों के पीछे सिर्फ चालक की गलती नहीं, बल्कि अन्य वजहें भी होती हैं। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा कि देश में सड़क दुर्घटनाएं यूपी में सर्वाधिक हैं। तुलनात्मक रूप से देखें तो प्रदेश की आबादी व गाड़ियों की संख्या भी सबसे ज्यादा हैं। संसाधनों की भी कमी है। फिर भी यूपी रोड सेफ्टी में बेहतर काम कर रहा है। उन्होंने सेवाओं को ऑनलाइन करने के लिए परिवहन आयुक्त बीएन सिंह के प्रयासों की सराहना की। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह विभाग के ही कार्यक्रमों में समय पर नहीं पहुंचते।

जमीन का विवाद खत्म, केसरीखेड़ा फ्लाईओवर का रास्ता साफ 31 लोगों की जमीनों की हुई पैमाइश

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में केसरीखेड़ा रेलवे क्रॉसिंग फ्लाईओवर का काम अटकने से सात महीने से परेशानियां झेल रही करीब पांच लाख की आबादी को बड़ी राहत मिली है। सेतु निगम के इस अहम प्रोजेक्ट की राह में आ रहा जमीन का विवाद खत्म हो गया है। लोक निर्माण विभाग की टीम ने शनिवार को 31 लोगों की जमीन की पैमाइश कर मुआवजे की गणना की। इन सभी को कृषि जमीन के सर्किल रेट 3620 रुपये प्रति वर्गमीटर की दोगुनी दर (7240 रुपये प्रति वर्गमीटर) के हिसाब से मुआवजा दिया जाएगा। अफसर अबू इशहाक अहमद के नेतृत्व में छह लोगों की टीम ने दोपहर 12 बजे से पैमाइश शुरू की, जो दो बजे तक चली। जिन लोगों की जमीन की पैमाइश हुई, उनमें कुछ केसरीखेड़ा के मूल निवासी किसान और कुछ इनसे भूखंड खरीदने वाले हैं। करीब 320 वर्गमीटर की सबसे ज्यादा जमीन पंकज यादव, सुमित यादव, रामकिशोर के परिवार की है।

इनकी जमीन की हुई पैमाइश

केसरीखेड़ा फ्लाईओवर को गति देने के लिए कुल 31 लोगों ने मुआवजा लेने पर सहमति दी। इनमें श्रीमती कमलेश यादव, राकेश यादव, संत विलास यादव, राकेश, रामकुमार, राम किशोर, दिनेश सिंह, राजाराम, रामस्वरूप, रामजीवन यादव, प्रेमलाल यादव, उमामल्ह, मंजू लता, कमला मौर्या, रत्नेश उर्फ रत्ना सिंह, पंकज दुबे, रेखा दुबे, शोभा, विनय कुमारी, राम लखन, स्नेहलता द्विवेदी, राम मिलन, बृजलाल यादव, सरिता मिश्रा, अवधेश कुमार, राम किशोर, निर्भय, नित्यराम, भैरवती शर्मा, प्रतिभा व राजू हैं। केसरीखेड़ा में प्लॉट खरीदकर उस पर दुकान बनाकर बिल्डिंग मैटेरियल का व्यापार करने वाले दीपू ने बताया कि फ्लाईओवर के निर्माण में उनकी 24.385 वर्गमीटर जमीन चली गई।

संक्षिप्त खबरें

इमाम हुसैन के कर्बला पहुंचने का मंजर सुन जार–जार रोए अजादार

लखनऊ, (संवाददाता)। मुहर्रम की दूसरी तारीख को पैगंबरे इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन का काफिला कर्बला की सरजमीं पर पहुंचा था। शनिवार को राजधानी में आयोजित मजलिसों में हजरत इमाम हुसैन के काफिले का मदीना छोड़ने से लेकर कर्बला पहुंचने तक का मंजर पेश किया गया तो अजादारों की आंखें नम हो गईं। चौक सब्जी मंडी स्थित इमामबाड़ा आगा बाकर में मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना मीसम जैदी ने कर्बला के शहीदों की प्यास का जिक्र किया। इमामबाड़ा सैयद तकी साहब में मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना सैफ अब्बास नकवी ने अहलेबैत की फजीलत पर रोशनी डाली। चौक स्थित इमामबाड़ा गुफरानमाब में मजलिस को मौलाना सैयद कल्बे जवाद नकवी ने खिताब किया। बजाजा स्थित मदरसा नाजमिया में मौलाना हमीदुल हसन, बिल्लौचपुरा स्थित इमामबाड़ा कसरे हुसैनी में मौलाना मोहम्मद मियां आब्दी, मकबरा सआदत अली खां में मौलाना मुराद रजा ने मजलिस को खिताब किया। छोटा इमामबाड़ा, बड़ा इमामबाड़ा, शाहनजफ इमामबाड़ा, रौजा ए काजमैन आदि जगहों पर मजलिसें हुईं। इसके अलावा इदारा तहफ्फुज ए मर्सियाख्वानी की ओर से इमामबाड़ा नाजिम साहब में अहलेबैत की पसंदीदा जाकरी के उनवान से मर्सियाख्वानी की दूसरी मजलिस में मोहसिन अब्बास ने मीर अनीस का मर्सिया अपने खास अंदाज में पढ़कर कर्बला के शहीदों को खिराजे अकीदत पेश की।

कैंसर संस्थान टेलीमेडिसिन के माध्यम से करेगा कैंसर का उपचार

लखनऊ, (संवाददाता)। चक गंजरियास्थित कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान टेलीमेडिसिन के माध्यम से प्रदेश के कैंसर रोगियों को इलाज की सुविधा देगा। इससे मरीज और तीमारदारों की दौड़ बचेगी। संस्थान के निदेशक प्रो. एमएलबी भट्ट ने शनिवार को हुई बैठक में यह जानकारी दी। निदेशक ने बताया कि हब एंड स्पोक मॉडल के तहत कल्याण सिंह कैंसर संस्थान हब के रूप में कार्य करेगा। मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों को टेलीमेडिसिन के माध्यम से जोड़ा जाएगा। इसके जरिये कैंसर संस्थान के विशेषज्ञ मरीजों को उनके नजदीकी केंद्र पर ही परामर्श देंगे। सिर्फ उन्हीं मरीजों को बुलाया जाएगा, जिन्हें जरूरत होगी। डॉ. अल्का शर्मा ने बताया कि राज्य में कैंसर के इलाज के लिए 38 डे केयर सेंटर चिह्नित किए गए हैं। इनमें से 11 में पायलट प्रोजेक्ट शुरू हो चुका है। बैठक में प्रदेश के प्रमुख मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों के डॉक्टरों ने भाग लिया। ई–संजीवनी पोर्टल से भी जोड़ा जाए पोर्टल केजीएमयू की टेलीमेडिसिन नोडल अधिकारी डॉ. शीतल वर्मा ने सुझाव दिया कि इस सेवा को ई संजीवनी पोर्टल से भी जोड़ा जाए। ऐसा होने पर मरीजों को ज्यादा लाभ मिल सकेगा। संस्था के टेलीमेडिसिन नोडल अधिकारी डॉ. आयुष लोहिया ने बताया कि प्रदेश में कैंसर इलाज के लिए एकीकृत टेलीमेडिसिन नेटवर्क तैयार किया जाएगा। इसके लिए मानक संचालन प्रक्रिया होगी। इससे इलाज और जारी दिशा–निर्देशों में एकरूपता होगी।

40 साल पुरानी व्यवस्था खत्म होने से बढ़ेगी आटो-टेंपो की मनमानी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ स्थित चारबाग रेलवे स्टेशन पर ऑटो–टेंपो की मनमानी रोकने व ट्रैफिक व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने की जो व्यवस्था 40 वर्षों से चल रही थी, वह खत्म करने की तैयारी है। इससे ऑटो–टेंपो चालक बेलगाम हो जाएंगे और यात्रियों से मनमाने रेट

वसूलेंगे। साथ ही स्टेशन पर ट्रैफिक व्यवस्थाएं चरमरा जाएंगी। दरअसल, स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर कुछ निर्माण कार्य होने हैं। इसके लिए पार्किंग की जगहें रेलवे भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) को दी जा रही हैं, जिससे आने वाले समय में पार्किंग का संकट भी खड़ा होगा। इसके अलावा टेंपो स्टैंड को हटाने की तैयारी भी है। इस बाबत जीआरपी को पिछले हफ्ते निर्देश भी दिए गए हैं। ऐसे में ऑटो–टेंपो स्टैंड हट जाने से अव्यवस्थाएं और हावी होंगी।

मनमानी व अव्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे डीआरएम

इस समस्या के बाबत शाही टेंपो ऑटो टैक्सी ओनर्स एसोसिएशन ने डीआरएम सुनील कुमार वर्मा को ज्ञापन भी दिया गया है। इसके तहत ही शनिवार को डीआरएम शनिवार को स्टेशन के सरकुलेटिंग एरिया में जगह–जगह खड़े ऑटो–टेंपो, चालकों की मनमानी व अव्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे।

एसोसिएशन के नरेंद्र कुमार ने बताया कि स्टैंड की व्यवस्था 40 साल पुरानी है। स्टैंड जीआरपी के साथ मिलकर स्टेशन पर ट्रैफिक व्यवस्थाएं भी दुरुस्त रखता है। ऐसे में स्टैंड हट जाने से आम लोग परेशान होंगे। स्टैंड से रेलवे को आमदनी भी होती है। इसके हटने पर राजस्व का नुकसान भी होगा।

रेंग–रेंगकर चलते हैं वाहन

चारबाग स्टेशन पर सुबह–शाम को ट्रैफिक की यह स्थिति रहती है कि चारों ओर सिर्फ गाड़ियां ही दिखती हैं। वाहनों को रेंगकर चलना पड़ता है। ऑटो–टेंपो चालक मनमाने ढंग से पार्किंग करते हैं। पहले इंटीग्रेटेड पार्किंग थी, जिससे ट्रैफिक चलता रहता था, उसके खत्म होने से दिक्कतें बढ़ गई हैं। डीआरएम ने इंटीग्रेटेड पार्किंग के बारे में भी अधिकारियों से जानकारी ली।

सीवर के ढक्कन गायब, प्रकाश व्यवस्था गड़बड़

डीआरएम सुनील कुमार वर्मा को निरीक्षण के दौरान जंक्शन के सामने सीवर के ढक्कन गायब मिले। उन्होंने इसे ठीक करने को कहा। साथ ही पार्किंग व प्रकाश व्यवस्थाएं भी गड़बड़ पाई गईं। उन्होंने जीआरपी को ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू रखने को कहा। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि सर्कुलेटिंग एरिया में सफाई पर फोकस करें।

पूरे प्रदेश में मानूसनी बारिश का अलर्ट, कई जिलों में भारी बरसात की चेतावनी

लखनऊ, (संवाददाता)। दक्षिणी उत्तर प्रदेश में हो रही बारिश अब तेजी के साथ उत्तरी क्षेत्र की ओर बढ़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार और सोमवार को पूरे प्रदेश में झमाझम बारिश के आसार नजर आ रहे हैं। तापमान में भी राहत मिलेगी। शनिवार को भी कई क्षेत्रों में बारिश हुई। कई जगह तेज हवा के बीच कहीं बूंदाबांदी तो कहीं तेज फुहारें पड़ीं। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण उत्तर प्रदेश के मध्य भागों पर एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है और यह समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर तक फैला हुआ है। आंचलिक मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मानसून की सक्रियता बढ़ने से प्रदेश में झमाझम बारिश के आसार हैं। रविवार और सोमवार को पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लगभग सभी स्थानों पर वर्षा और गरज–चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। कहीं–कहीं मेघगर्जन के साथ बारिश की संभावना है। इसके अलावा एक से चार जुलाई तक प्रदेश के अनेक स्थानों पर वर्षा और गरज–चमक के साथ बौछारें पड़ने के आसार हैं।

24 घंटे में सक्रिय होगा मानसून

अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश में मानसून की सक्रियता में बढ़ोतरी होने से पिछले 24 घंटों के दौरान सोनभद्र व सहारनपुर में कहीं–कहीं भारी बारिश दर्ज की गई। आगामी 24 घंटों में इसके पूरे प्रदेश में सक्रिय हो जाने से प्रदेश भर में हल्की से मध्यम वर्षा के साथ आगामी 2–3 दिनों के दौरान प्रदेश के उत्तरी एवं संलग्न मध्यवर्ती भागों में कहीं–कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा होगी। 30 जून को तराई इलाकों में अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके बाद मौसमी द्रोणी के पुनः दक्षिणी दिशा में खिसकने से एक जुलाई से भारी से बहुत भारी वर्षा की बेल्ट प्रदेश के दक्षिणी भाग की ओर खिसकने की संभावना है। इसी क्रम में आगामी 24–48 घंटों के दौरान दक्षिण–पश्चिम मानसून के प्रदेश के शेष हिस्सों को आच्छादित कर लेने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। शनिवार को सबसे अधिक तापमान मुजफ्फरनगर का रहा। यहां अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री दर्ज किया गया। मुरादाबाद का अधिकतम तापमान 39.5 रहा। वहीं प्रयागराज में अधिकतम तापमान 30 डिग्री रहा जो सामान्य से 6.3 डिग्री कम रहा। नसीबाबाद में अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से 7.3 डिग्री कम रहा।

यहां पर भारी वर्षा की संभावना

सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संतरविदास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, सीतापुर, बाराबंकी, अंबेडकरनगर, शामली, बागपत, मेरठ, संभल और बदायूं समेत आसपास के इलाके।

अभी जारी रहेगी मूसलाधार बारिश

आईएमडी ने बताया कि बीते दिन उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल के अलग–अलग स्थानों पर भारी बारिश हुई। अंडमान निकोबार द्वीप समूह, तटीय कर्नाटक, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र और नगालैंड समेत पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में भी तेज हवाओं के साथ जमकर बौछारें पड़ीं। आईएमडी ने 4 जुलाई तक हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में भारी बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान के कुछ हिस्सों में भी बारिश होगी। ओडिशा, कर्नाटक, केरल और पूर्वोत्तर के राज्यों में भी अत्यधिक बारिश की संभावना है। तमिलनाडु, केरल, और तटीय कर्नाटक में 40–50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं।

केरल में ऑरेंज अलर्ट की बीच भारी बारिश

केरल में लगातार बारिश हो रही है। शनिवार को भी पांच जिलों–पथानामथिट्टा, कोट्टायम, इडुक्की, मलप्पुरम और वायनाड में जमकर बारिश हुई, जिसके लिए आईएमडी ने पहले ही ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। पिछले कुछ दिनों में राज्य में हुई बारिश के कारण विभिन्न नदियों का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ आ गई है और सैकड़ों लोग अपने घरों से विस्थापित हो गए हैं।

ओडिशा में रात से ही बारिश जारी

ओडिशा में रात से ही लगातार बारिश जारी है। आलम यह है कि मयूरभंज में लगातार भारी बारिश के बाद जगह–जगह जलभराव की समस्या पैदा हो गई है। पूरे देश में पहुंचा मानसूनरू चार जुलाई तक उत्तर से पूर्वोत्तर तक जमकर बरसेंगे मेघय केरल–ओडिशा में भारी बारिश

दिल्ली में आज से बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को राजधानी दिल्ली में बादल छाए रह सकते हैं। हल्की से मध्यम बारिश के अलावा बिजली चमकने के साथ 30–40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चल सकती हैं। इस दौरान दिल्ली का अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने रविवार के लिए भी यलो अलर्ट जारी किया है। साथ ही उम्मीद जताई है कि दो जुलाई तक दिल्ली में बारिश हो सकती है।

पहाड़ी राज्यों में लोग हलकान

बारिश से जहां दिल्ली–एनसीआर वालों के चेहरे खिल गए, वहीं देश के अन्य हिस्सों में लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

परिवहन निगम के खाते में आया सड़क सुरक्षा के लिए 10 करोड़, खर्च करने की प्लानिंग ही नही

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में परिवहन विभाग ने सड़क सुरक्षा के दस करोड़ रुपये लैप्स होने से बचाने के लिए परिवहन निगम को ट्रांसफर कर दिए। मगर, अब निगम को धनराशि खर्च करने के लिए प्लानिंग बनाने का संकट पैदा हो रहा है। विशेषज्ञता के अभाव में ऐसा नहीं हो पा रहा है। सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए मुख्यमंत्री ने अफसरों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं। गत वित्तीय वर्ष में सड़क सुरक्षा के लिए जो बजट दिया गया था, उसमें 10 करोड़ रुपये बच गए थे। वित्तीय वर्ष समापन पर यह धनराशि लैप्स हो जाती। ऐसे में इसे बचाने के लिए परिवहन विभाग ने यह धनराशि परिवहन निगम को ट्रांसफर कर दी। सूत्र बताते हैं कि परिवहन निगम को धनराशि ट्रांसफर कर लैप्स होने से तो बचा लिया गया। लेकिन, अब संकट यह है कि निगम इस धनराशि का इस्तेमाल करे तो कैसे करे। इसके पीछे की मुख्य वजह अफसर बताते हैं कि निगम के पास सड़क सुरक्षा को लेकर विशेषज्ञता नहीं है। न ही यह काम उसका है। उसकी जिम्मेदारी बस अड्डों व बसों के संचालन की है। ऐसे में अब निगम प्रशासन विशेषज्ञों की तलाश कर धनराशि का इस्तेमाल कर सकता है। हालांकि, इसे लेकर अभी रोडवेज व परिवहन विभाग के अफसरों में बातचीत चल रही है। परिवहन निगम के एमडी मासूम अली सरवर ने बताया कि सड़क सुरक्षा के 10 करोड़ रुपये निगम को ट्रांसफर हुए हैं। इसके इस्तेमाल को लेकर बातचीत की जा रही है।

आजमगढ़ वाराणसी राजमार्ग के किसानों के मुआवजे के निस्तारण संबंधी बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में आजमगढ़–वाराणसी राजमार्ग संबंधी मुआवजे के प्रकरण के निस्तारण के सम्बन्ध में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा अवगत कराया गया कि आजमगढ़–वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के दौरान वर्ष 2013 से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही थी, किन्ही कारणों से किसानों तथा एनएचएआई के मध्य मुआवजे के निर्धारण को लेकर गतिरोध चल रहा था। उन्होंने कहा कि किसानों को न्यायोचित मुआवजा मिल सके इस हेतु तीन गांव का अभिनिर्णय किया जा चुका है तथा अन्य सभी गांवों में अभिनिर्णय की प्रक्रिया चल रही है, दोनो पक्षों को सुनते हुए न्यायोचित निर्णय किया जाएगा जिससे आने वाले समय में शीघ्र राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण किया जा सके तथा किसानों और एनएचएआई के मध्य जो गतिरोध है उसे समाप्त किया जा सके। लम्बित मुआवजे के प्रकरण के निस्तारण के लिए एनएचएआई और किसानों के मध्य कई बार बैठक कराया गया है और पूरे प्रकरण को उच्च अधिकारियों से भी अवगत कराया गया। उन्होने कहा कि जो दर निर्धारित किया गया है अभिनिर्णय के पश्चात सम्पूर्ण धनराशि सम्बन्धित किसान के खाते में हस्तान्तरित कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी का निर्देश है कि इसमें किसी भी बिचौलिए का हस्तक्षेप नही होना चाहिए। उन्होने सभी किसानों का आश्वस्त कराया कि उन्हे यथोचित मुआवजा दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि जनहित के कार्यो को प्रत्येक अधिकारी गम्भीरता से लें यह राजमार्ग बन जाने से सभी किसानों, आमजनमानस को आवागमन में सुविधा होगी तथा उस क्षेत्र का तीव्र गति से विकास भी हो सकेगा। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट सहित किसानगण उपस्थित रहे।

एटीएम कार्ड से हेरा फेरी कर पैसा निकालने वाले गैंग का एसएसपी ने किया खुलासा

अयोध्या। सोमवार को थाना पूराकलन्दर तथा स्वाट्धसर्विलांस टीम ने एटीएम मशीन मे एटीएम कार्ड की हेरा फेरी करने वाले लोगो से पैसों की धोखाधडी करने वाले गैंग का खुलासा एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर ने किया। उन्होंने बताया कि इस गैंग में शामिल पांचो आरोपियों को पुलिस ने शिवदास पुर चौराहे से गिरफ्तार किया। बताया कि जब पूरा कलंदर थाना अध्यक्ष देवेंद्र सिंह अपने टीम के साथ चेकिंग अभियान चला रहे थे तो इस दौरान ये पांचो आरोपी उनके गिरफ्त में आए।एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी व सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी की मौजूदगी मे उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान दीपक कुमार पुत्र राजा राम सिंह निवासी लखमोहना थाना नेमदारगंज जनपद नेवादा राज्य बिहार,अनीस कुमार पुत्र शशिभूषण सिंह निवासी महानंदपुर थाना नेमदारगंज जिला नेवादा राज्य बिहार, अभिमन्यु पुत्र शशिभूषण सिंह निवासी महानन्दपुर थाना नेमदारगंज जिला नेवादा राज्य बिहार,मुनचुन कुमार पुत्र शैलेष निवासी ग्राम भानैल थाना नेमदारगंज जिला नेवादा राज्य बिहार,गुलशन कुमार पुत्र सुबोध कुमार निवासी ग्राम जहाना भानैल थाना नेमदारगंज जिला नेवादा राज्य बिहार के रुप में हुई।बताया कि अन्य वांछित आरोपी जिसमे छोटू उर्फ दयानंद कुमार पुत्र सुशील सिंह निवासी अतौआ थाना नेवादा सिटी जिला नेवादा राज्य बिहार,रीशु सिंह निवासी हिसुआ थाना हिसुआ जनपद नेवादा राज्य बिहार, दीपक यादव पुत्र अज्ञात निवासी अज्ञात बिहार राज्य की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया गया है।पुलिस ने इनके पास से10 मोबाइल फोन,22 फेवीक्विक,एक चाकू,एक स्विफ्ट कार व15700 रुपये नगद बरामद किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने बताया वे कई जिलो मे घूम फिर कर एटीएम मशीन में जाकर पहले फेवीक्विक डालकर उसकी बटन को जाम कर देते है।जिसके बाद वही किनारे खडे हो जाते है उसके बाद जो भी व्यक्ति एटीएम मे जाकर अपना पैसा निकालने का प्रयास करता है किन्तु पैसा नही निकलता है उसी बीच हम लोग उसका पिनकोड देख लेते है ।चालाकी से उसका एटीएम कार्ड बदल देते है और जब वह व्यक्ति चले जाते है तो जो चाकू हम लोगो के गाडी से मिला है उससे फेवीक्विक को साफ कर वही से पैसे निकाल लेते है, अन्यथा दूसरे एटीएम से पैसा निकाल लेते व बड़े बड़े माल मे शापिंग कर उसी के खाते से भुगतान कर देते।वे सभी गाडी से चलते फिरते किसी व्यक्ति को लिफ्ट देने के बहाने बैठा लेते है और उसका पैसा,गहना मोबाइल आदि लेकर उसे सूनसान जगह पर छोडकर निकला लेते थे।आरोपी दीपक कुमार व अनीश कुमार द्वारा बताया गया कि आज से लगभग एक साल पहले वे सभी तथा उनके साथी छोटू उर्फ दयानंद कुमार पुत्र सुशील सिंह निवासी अतौआ थाना नेवादा सिटी जिला नेवादा राज्य बिहार, रीशु सिंह निवासी हिसुआ थाना हिसुआ जनपद नेवादा राज्य बिहार व दीपक यादव पुत्र अज्ञात निवासी अज्ञात बिहार राज्य द्वारा यही आगे की बाजार में इस तरह की घटना को अंजाम दिया था।इस घटना का खुलासा करने वाली टीम मे थानाध्यक्ष पूरा कलंदर देवेन्द्र सिंह,स्वाट टीमध्सर्विलांस सेल प्रभारी अमरेश त्रिपाठी,उप0नि0 फरीद खाँ थाना पूराकलन्दर, कृष्णचन्द यादव थाना पूराकलन्दर,उ0नि0 सूरज थाना पूराकलन्दर,उ0नि0 रामआशीष यादव थाना पूराकलन्दर सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

एसएसपी ने सेवानिवृत्ति हुए पुलिस कर्मियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर की विदाई

अयोध्या। सोमवार को पुलिस लाइन परिसर में स्थित सभागार में सेवानिवृत्ति हुए पुलिस कर्मियों को कर्मचारियों को एसएसपी डा0 गौरव ग्रोवर ने सम्मानित किया।बताते चले कि सेवानिवृत्ति हुए पुलिस कर्मियों मे उ0नि0 सुभाष यादव,उ0नि0 महेश सिंह,उ0नि0 रमाकान्त मिश्रा,उ0नि0 आशा देवी तिवारी, ली0 फायर मैन फेकन सिंह,चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्रीमती उर्मिला देवी व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जगदेव यादव शामिल रहे।इस मौके पर उन्होंने सेवानिवृत्ति हुए पुलिसकर्मियों को शाल व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने सेवानिवृत्ति हुए पुलिस कर्मियों की पुलिस विभाग में किए गए कार्यों की सराहना किया।उन्होंने सेवानिवृत्ति हुए पुलिस कर्मियों के स्वस्थ रहनेकी कामना की।इस अवसर पर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी,सीओ सदर योगेन्द्र कुमार सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

क्लीनिकल पैराक्लीनिकल स्टाफ द्वारा अग्निशामक यंत्र की माक ड्रिल आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोयल आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, लखनऊ के चेयरमैन ई० महेश अग्रवाल का जो सपना था, वह अब

हकीकत बनकर सामने आ रहा है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने इस संस्थान को एक छोटे से आरंभ से लेकर एक प्रतिष्ठित शिक्षण व चिकित्सा केंद्र में बदल दिया है। चेयरमैन ई० महेश अग्रवाल ने अपनी दृष्टि में 2022 के बाद एक से चार बैचों तक संस्थान का निरंतर विस्तार देखा है।

कॉलेज की स्थापना 2019 में हुई थी और इसका अस्पताल उसी वर्ष से (100 बेड वाला) संचालन में आया है। हालांकि कॉलेज का बैच 2022 से शुरू हुआ (ठ।डे कोर्स के लिए) और उसे उसी वर्ष से लगातार 100 सीटें छब्ैड्ब द्वारा मंजूर होती आ रही है तथा महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय गोरखपुर से सम्बद्ध है । जिसमें प्रवेश छम्ज्–न्ळ स्कोर और UP Ayush Counselling के माध्यम से होता है

चिकित्सालय सुविधाएं

100 बेड वाला अस्पताल, जिसमें OPD, IPD, आपातकालीन विभाग, फार्मेसी, और हाई–टेक पंचकर्मा केंद्र सम्मिलित हैं

अस्पताल में कुल 10 विभाग कार्यरत हैं :

व कायचिकित्सा
व पंचकर्मा
व शल्य
व शालाक्य
व कौमारभृत्य
व प्रसूति एवं स्त्री रोग
व स्वास्थवृत्त
व आपातकालीन चिकित्सा
व फिजियोथिरैपी
व डेन्टल विभाग

एक केन्द्रीय पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, मैनेजमेंट ब्लॉक,पुरुष व महिला छात्रावास , कैंटीन और हर्बल गार्डन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं ।

गोयल आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, लखनऊ के प्राचार्य एवं अधीक्षक प्रो० (डॉ०) अविनाश चन्द्र श्रीवास्तव ने बताया की चिकित्सालय NABH से प्रमाणन के लिए आवेदन प्रक्रिया में है , छ।ठभ मान्यता के तहत रोगी सुरक्षा, स्वच्छता, सुसंगत प्रोटोकोल, अनुभवी स्टाफ, क्लिनिकल रिकॉर्ड एवं सुरक्षा उपाय सुनिश्चित होते हैं ।

गोयल आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, लखनऊ आधुनिक सुविधाओं से लैस,केन्द्र एवं राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त, और उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण–संस्थान के रूप में उभरा है। 2022 से ठ।डे कोर्स की शुरुआत, 100 बिस्तरों वाला अस्पताल, आधुनिक पंचकर्मा केन्द्र तथा छ।ठभ मान्यता की दिशा में प्रयास इसेआगे ले जा रहे हैं।

जिसमें समय दृसमय पर चिकित्सालय की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए क्लीनिकल पैराक्लीनिकल एवं नर्सिंग स्टाफ को माक ड्रिल एवं ट्रेनिंग द्वारा अति गम्भीर परिस्थितियों से निपटने के लिए एवं रोगियों की बेहतर सेवा के लिए तैयार किया जाता है ।

निर्भय पटेल ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता लेने के उपरांत लिया तूफानी सरोज से आशीर्वाद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पूर्व मंत्री वंश नारायण पटेल के पुत्र निर्भय पटेल ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने के बाद निर्भय पटेल ने केराकत विधायक तूफानी सरोज के आवास पर पहुंचकर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर तूफानी सरोज ने निर्भय पटेल का स्वागत करते हुए कहा कि पीडीए की कतार बहुत मजबूत होगी और हम आपके साथ हर कदम खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि निर्भय पटेल के समाजवादी पार्टी में शामिल होने से पार्टी को और मजबूती मिलेगी और क्षेत्र की जनता के लिए बेहतर काम करने मे मदद मिलेगी । कहा कि निर्भय पटेल के समाजवादी पार्टी में शामिल होने से पार्टी को एक मजबूत और अनुभवी नेता की प्राप्ति हुई है। तूफानी सरोज ने कहा कि निर्भय पटेल के साथ मिलकर हम क्षेत्र की जनता के लिए बेहतर काम करेंगे और उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। निर्भय पटेल ने कहा कि वह समाजवादी पार्टी की नीतियों सिद्धांतों से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुए हैं वह पार्टी के लिए पूरी ईमानदारी और निष्ठा से काम करेंगे कहा विधायक तूफानी सरोज के प्रेरणा से यह अवसर मुझे प्राप्त हुआ है उनके आशीर्वाद से क्षेत्र की जनता की सेवा करने का प्रयास करेंग। इस अवसर पर कई वरिष्ठ पार्टी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने निर्भय पटेल का पार्टी में स्वागत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एसकेडी न्यू स्टैंडर्ड कोचिंग इंस्टीट्यूट ने भव्य सम्मान समारोह में NEET एवं JEE टॉपर्स को किया सम्मानित

लखनऊ (आर एल पाण्डेय). 41 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में अपनी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए एसकेडी न्यू स्टैंडर्ड कोचिंग इंस्टीट्यूट ने एसकेडी एकेडमी की वृंदावन शाखा में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया, जिसमें NEET एवं JEE 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया निम्न विशिष्ट अतिथियों ने दयाशंकर सिंह , परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उत्तर प्रदेश सरकार ने छम्ज् एवं श्रम टॉपर्स को आशीर्वाद दिया और भारतीय संकृति को आगे बढ़ाते हुए, समाज की सेवा में अपने ज्ञान और कौशल को समर्पित करने के लिए प्रोत्साहित किया। बाबा हरदेव सिंह

, पूर्व अध्यक्ष, यूपीपीसीएस एसोसिएशन उपस्थित रहे एवं उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि चिकित्सकों को केवल सफल पेशेवर ही नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान भी होना चाहिए। मनोज कुमार सिंह , सेवानिवृत्त एडीजी, आईपीएस उपस्थित रहे एवं कहा कि निकट भविष्य में, रोबोटिक्स और नैनो प्रौद्योगिकी का उपयोग स्वास्थ्य क्षेत्र में निदान, चिकित्सा और सर्जरी के लिए किया जाएगा।

जिनमें NEET 2025 में चयनित 105 छात्र–छात्राएं शामिल हैं।

आद्रिका श्रीहर्ष (AIR 188), शांभवी जायसवाल (AIR 3391), प्रणय गुप्ता (AIR 4069), हिमांशु द्विवेदी (AIR 4881), युवराज रामदीन प्रजापति (AIR 5462), दुर्गेश मिश्रा (AIR7361), सश्वी वर्मा (AIR7380), तन्वी मिश्रा (AIR 7585), वंश सिंह यादव (AIR 9014), मो. सदफ (AIR 9063) तथा कई अन्य चयनित विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

JEE 2025 में चयनित विद्यार्थियों में शामिल हैं:

निशित डोहरे, अक्षत कदम, शिवांश सिंगारे, हर्षित वर्मा, दिव्यांश पांडेय, मो. हसन सभी चयनित विद्यार्थियों को उनकी कड़ी मेहनत के प्रतीकस्वरूप मेडल, घड़ियाँ एवं ट्रॉली बैग्स प्रदान किए गए। साथ ही उनके गौरवान्वित अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया।

संस्थान के चेयरमैन एस.के. डी. सिंह एवं निदेशक मनीष सिंह ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया एवं मानवता की सेवा के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य हर वर्ग के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें।

इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा आदर स्वरूप चेयरमैन श्री एस.के.डी. सिंह जी को मोमेंटो, शॉल, गुलदस्ता एवं उपहार भेंट किए गए।

संस्थान के समर्पित शिक्षकगण भी उनके अथक प्रयासों एवं मार्गदर्शन के लिए सम्मानित किए गए।

समारोह का समापन भावी डॉक्टरों एवं इंजीनियरों को शुभकामनाएँ देते हुए किया गया।

प्रधानमंत्री ने महाराजा सुहेलदेव की विरासत को सम्मान दिया है : ओम प्रकाश राजभर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। खेतासराय में एक जन चौपाल कार्यक्रम में सुहेलदेव सोमवार को भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने महत्वपूर्ण बयान दिए। उन्होंने महाराजा सुहेलदेव के योगदान को याद किया। राजभर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने महाराजा सुहेलदेव की विरासत को सम्मान दिया है। 40 फीट ऊंची मूर्ति और पांच एकड़ का पार्क 10 जून को उद्घाटित किया गया। यह उनके 22 वर्षों के संघर्ष का परिणाम है। समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव 2017 से सत्ता से बाहर हैं। सत्ता के गलियारे में ओमप्रकाश राजभर, संजय निषाद, अनुप्रिया पटेल और जयंत चौधरी जैसे नेताओं की एंट्री नहीं है। उन्होंने सपा शासन की आलोचना करते हुए कहा कि उनके चार कार्यकाल में 800 दंगे हुए। इनमें 1300 लोगों की जान गई। वर्तमान सरकार में 8 साल से कोई दंगा नहीं हुआ। कर्फ्यू भी नहीं लगा।

इटावा की घटना पर बोलते हुए राजभर ने कहा कि पहले दिन की घटना निंदनीय है। मुकुट बिहारी के पास मिला आधार कार्ड अपराध है। पुलिस पर पथराव और अहीर रेजिमेंट के बैनर के साथ रास्ता रोकना गलत है। किसी को कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है।

खाड़ी देश से लौटे युवक की कार गंडक नहर में गिरने की आशंका

कुशीनगर, (संवाददाता)। जनपद के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के पश्चिमी गंडक नहर में एक दर्दनाक हादसे की आशंका से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पकड़ियार गांव निवासी शहजाद अंसारी 35 वर्ष की कार नहर में गिरने की आशंका जताई जा रही है। शहजाद अभी मात्र दस दिन पहले ही खाड़ी देश से अपने घर लौटा था और गुरुवार की शाम से लापता है।शहजाद के परिवार के अनुसार गुरुवार को एक फोन कॉल कर के उसने ससुराल जाने की बात कहकर घर से निकलने की सूचना दी थी, लेकिन शनिवार सुबह तक वापस न लौटने पर परिजन चिंतित हो उठे। इसी बीच शनिवार सुबह टहलने निकले ग्रामीणों को नहर के किनारे एक टूटा हुआ वाहन नंबर प्लेट यूपी 15 एयू 0010) मिला। पुलिस जांच में यह नंबर प्लेट शहजाद की कार का निकला।शहजाद दो भाइयों में छोटा है और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी उसी पर थी। वह खाड़ी देश में वर्षों से मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण कर रहे था। घर पर उनकी पत्नी साजिया, छोटे–छोटे बच्चे और बुजुर्ग मां उनकी राह देख रहे है। घर का माहौल मातमी हो चुका है। साजिया बार–बार बेसुध होकर बस यही कह रही थीं, ष्अब का होई लईका लोगन के स्कूल, अम्मी के दवा, चूल्हा सब उ उहां से भेजता रहे अब कौन देखी?"मां की चीख और बच्चों की सिसकी सुनकर गांव में हर आंख नम है। ग्रामीणों का कहना है कि शहजाद बेहद जिम्मेदार, मेहनती और सौम्य स्वभाव का था।

सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत की जानकारी के लिए जिलाधिकारी पहुंचे पचरूखिया गांव

कुशीनगर। सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत परखने के उद्देश्य से डीएम कुशीनगर महेंद्र सिंह तंवर ने पडरौना विकास खंड के पचरूखिया गांव में चौपाल लगाई। ग्रामीणों के बीच बैठकर जिलाधिकारी ने जनकल्याणकारी योजनाओं की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली और अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के दावों की पड़ताल की।

जन कल्याण संघर्ष मोर्चा के कार्यकर्ता सम्मेलन में जनहित के सवालों को लेकर संघर्ष पर जोर

बस्ती, (संवाददाता)। शनिवार को जन कल्याण संघर्ष मोर्चा भारत का कार्यकर्ता सम्मेलन प्रेस क्लब सभागार में जिलाध्यक्ष विजय कुमार ठाकुर, उपाध्यक्ष ई. अजीत कुमार प्रजापति के संयोजन में सम्पन्न हुआ। बैठक में शोषितों, वंचितों को उनका राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक अधिकार दिलाने और जनहित के सवालों को लेकर एकजुट होकर संघर्ष करने का निर्णय लिया गया। मुख्य अतिथि पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ठाकुर प्रेमनन्दवंशी ने कहा कि अपना अधिकार हासिल करने के लिये लोगों को जागरूक करना होगा। यह अभियान चरणबद्ध ढंग से जारी है और बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। विशिष्ट अतिथि डा. कैलाश चन्द्र शर्मा ने कहा कि जमीनी धरातल पर जागरूकता से ही अधिकार हासिल होंगे और समस्याओं का हल निकलेगा। जन कल्याण संघर्ष मोर्चा इस दिशा में निरन्तर सक्रिय है। संचालन करते हुये दिनेश कुमार ठाकुर ने मोर्चा के उद्देश्यों, जन सरोकारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। जिलाध्यक्ष विजय कुमार ठाकुर, उपाध्यक्ष इं. अजीत कुमार प्रजापति ने मोर्चा की मजबूती पर जोर दिया, कहा कि नाई समाज के साथ ही सर्व समाज का उत्थान उनका संकल्प है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ई. संजय कुमार शर्मा, दिनेश कुमार ठाकुर, प्रदीप कुमार ठाकुर, प्रेम कुमार ठाकुर, चन्द्रमणि, सोनू ठाकुर, जय श्री, प्रमोद कुमार, आदर्श शर्मा, अजय ओझा, डी.आर. गौड़, शकुन्तला देवी, रूक्मिणी देवी, सुनीता, खुशी शर्मा, दीप शर्मा, अमित ठाकुर, रोहित ठाकुर, लालमणि शर्मा, हरिशंकर चौधरी, डा. कुलदीप शर्मा के साथ ही मोर्चा पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मामूली बारिश से जगह-जगह दिखा जल भराव

अयोध्या। सोमवार को दोपहर हुई बारिश ने नगर निगम की पोल खोल कर रख दी।अभी कुछ दिनों पहले नगर निगम के अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा दावा किया जा रहा था कि अयोध्या धाम व शहर की सभी नालियो की सफाई की जा रही है।लेकिन सोमवार को दोपहर अचानक हुई बारिश से जगह–जगह जल भराव देखा गया।जिसका मुख्य कारण नालियों का चोक होना रहा।इस बारिश में सबसे बुरी दशा राम जन्मभूमि मंदिर के सामने रामपथ पर थोड़ी देर के लिए दिखाई दिया।जहां पर पूरा रामपथ मार्ग पानी के जल भराव से लबालब भरा हुआ था।जिसके चलते इधर से गुजरने वाले श्रद्धालुओं को इस जल भराव से काफी कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ रहा था।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।